*RESEARCH ARTICLES*

| Sr.No. | Author(s) | Title of Paper | Name of journal | Page No. | Year/ Month | ISSN/RNI No. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ0 किशनाराम बिश्नोई | गुरू जम्भेश्वर जी की सामाजिक चेतना | स्मारिका गुरू जम्भेश्वर जन्मोत्सव कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय | 60–64, अंक 1 | 1994 | |
| 2. | ––उक्त–– | जम्भवाणी संकलन | स्मारिका गुरू जम्भेश्वर जन्मोत्सव कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय | 84–92, अंक 1 | 1994 | |
| 3. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर महाराज विद्यापीठ के लक्ष्य एवं उददे्श्य | गुरू जम्भेश्वर महाराज विद्यापीठ के लक्ष्य एवं उददे्श्य | 1–2, अंक 1 | 1994 | |
| 4. | ––उक्त–– | जाम्भवाणी साहित्य में परमतत्व की अवधारणा | हरिगंधा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ | अंक 60 | 1995 | |
| 5. | ––उक्त–– | जाम्भवाणी की अवधारणा | मरू भारती पत्रिका, राज. शोध विभाग, वि. एज. ट्रस्ट, पिलानी, राजस्थान | अंक 02–03, वर्ष 44 | | |
| 6. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर और प्रकृति संरक्षण | शोध पत्रिका, इंस्टिच्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर | 145–148, अंक 1–4 वर्ष 47, | 1996 | 10374 / 66 |
| 7. | ––उक्त–– | जाम्भवाणी साहित्य में परमतत्व की अवधारणा | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | वर्ष 48 | 1997 | |
| 8. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर का आचार दर्शन | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | वर्ष 50 | 1998 | |
| 9. | ––उक्त–– | Nature Conservation the essence of Jambhbani | GREIN NEWS | 10–11, अंक 3–4 | 1998 | |
| 10. | ––उक्त–– | ओम शब्उ की व्यापकता | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | वर्ष 52 | 2000 | |
| 11. | ––उक्त–– | जम्भेश्वर में साहित्य का स्वरूप | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | अंक 8–9 वर्ष 51 | 2000 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12. | ––उक्त–– | जम्भवाणी में आध्यात्मिक साधना का स्वरूप | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 34–36, अंक 8–9, वर्ष 51 | 1 सितम्बर, 2000 | |
| 13. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर का आचार–दर्शन | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | 26–30, अंक 8–9, वर्ष 52 | 2001 | |
| 14. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर एक पर्यावरणीय अवधारणा | पर्यावरण संजीवनी (पर्यावरण भवन), धिकाड़ा रोड़, चरखी दादरी, हरियाणा | | 2001 | |
| 15. | ––उक्त–– | संत साहबराम राहड़ के ब्रह्म शब्द की व्याख्या | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | | फरवरी मार्च 2001 | |
| 16. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर एक सच्चे पर्यावरणविद | सशर्त पत्रिका, 1223, सैक्टर 13, अर्बन एस्टेट, कुरूक्षेत्र, हरियाणा | 38–42, अंक 3, वर्ष 17 | मार्च, 2002 | 42421/86 |
| 17. | ––उक्त– | वर्तमान युग में गुरू जम्भेश्वर की प्रांसगिकता | विश्वम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्वभारती, अनुसंधान परिषद, बीकानेर | अंक 4, वर्ष 34 | 2002 | |
| 18. | ––उक्त–– | गीता में यज्ञ का वैज्ञानिक स्वरूप | पर्यावरण संजीवनी (पर्यावरण भवन), धिकाड़ा रोड़, चरखी दादरी, हरियाणा | अंक 06, वर्ष 03 | जनवरी 2002 | |
| 19. | ––उक्त–– | जाम्भवाणीः एक विवेचन | सशर्त पत्रिका, 1223, सैक्टर 13, अर्बन एस्टेट, कुरूक्षेत्र, हरियाणा | अंक 3, वर्ष 17 | मार्च, 2002 | |
| 20. | ––उक्त– | वर्तमान युग में जाम्भाणी साहित्य की प्रांसगिकता | विश्वम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्वभारती, अनुसंधान परिषद, बीकानेर | अंक 4, वर्ष 34 | अक्तुबर–दिसम्बर 2002 | |
| 21. | ––उक्त– | उपासना का नियोजित स्वरूप | विश्वम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्वभारती, अनुसंधान परिषद, बीकानेर | अंक 51–8 | 2002 | |
| 22. | ––उक्त–– | प्रकृति के प्रेरक गुरू जम्भेश्वर | पर्यावरण संजीवनी (पर्यावरण भवन), धिकाड़ा रोड़, चरखी दादरी, हरियाणा | अंक 08, वर्ष 04 | जनवरी जनवरी, 2003 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 23. | ––उक्त– | गुरू जम्भेश्वर भगवान की दिव्य आत्मचेतना | विश्वम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्वभारती, अनुसंधान परिषद, बीकानेर | अंक 04 वर्ष 35 | अक्तूबर–दिसम्बर 2003 | |
| 24. | ––उक्त– | गीता की प्रमुख दार्शनिक मान्यताएं | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु 25ण्आश्रम, होशि26णयारपुर | अंक 09 वर्ष 52 | दिसम्बर 2003 | |
| 25. | ––उक्त–– | गीता दर्शन का स्वरूप | अर्पणा पुष्पांजलि, अर्पणा आश्रम, मधुबन, करनाल | 17–19, अंक 16, वर्ष 15 | मार्च 2003 | 30710/77 |
| 26. | ––उक्त–– | Guru Jambheshkrar on Nature Conservation | The Journal of Religious Studies, G.G.D.R. Studies | 149–155, Vol – xxxiv, no. S. 1 and 2 | 2003 | 0047–273546 |
| 27. | ––उक्त–– | जम्भेश्वर में सहज शून्य की अवधारणा | वैचारिकी पत्रिका, भारतीय विद्या मंदिर, बीकानेर | | 2003 | |
| 28. | ––उक्त–– | जम्भवाणी में लोकमंगल की भावना | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | वर्ष 55 | मार्च 2004 | 2277–7660 |
| 29. | ––उक्त–– | पर्यावरण का पर्याय – खेजड़ली बलिदान | सशर्त पत्रिका, 1223, सैक्टर 13, अर्बन एस्टेट, कुरूक्षेत्र, हरियाणा | 49–50, अंक 09, वर्ष 19 | सितम्बर, 2004 | 42421 |
| 30. | ––उक्त–– | जम्भवाणी का सामाजिक संदर्भ में महत्व | वरदा त्रैमासिकी पत्रिका, राष्ट्रीय साहित्य समिति, बिसाऊ | पृ0 29.32, अंक 1, वर्ष 47 | जनवरी–मार्च, 2004 | |
| 31. | ––उक्त–– | पर्यावरण का पर्यायः खेजड़ली खड़ाणा | जम्भज्योति पत्रिका, बिश्नोई धर्मशाला, रातानाडा, जोधपुर | अंक 01, वर्ष 13 | सितम्बर 2004 | 2277–7660 |
| 32. | ––उक्त–– | गीता में श्रद्धा की अवधारणा | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 29–32, अंक 3, वर्ष 55 | 2004 | सं. एल–1277 |
| 33. | ––उक्त–– | गीता में यज्ञ की अवधारणा | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 213–218, अंक 4, वर्ष 56 | 2004 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 34. | ––उक्त–– | खेजड़ली खड़ाणा | हरित वसुन्धरा, 0/50, डॉक्टर्स कालोनी, कंकड़बाग, पटना | अंक 2–3, वर्ष 04 | अप्रैल–जून, जुलाई–सितम्बर, 2004 | |
| 35. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर वाणी में पाखंड–विखंडन एवं आचार–दर्शन | साहित्यावलोकन एवं सृजन शोध पत्रिका, हंसराज महिला महाविद्यालय, जालधंर, पंजाब | 45–52, अंक 1, वर्ष 1 | सितम्बर, 2005 | |
| 36. | ––उक्त–– | धर्म की अवधारणा एवं बिश्नोईयों के उन्नतीस नियम | वैचारिकी पत्रिका, भा. वि. मंदिर, बीकानेर | 72–78, अंक 4, वर्ष 20 | 2005 | 22298/71 |
| 37. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर की दृष्टि में धार्मिक अवधारणा | Journal of Haryana Studies | 80–85, Vol.-xxxvii, 1 & 2 | जनवरी–दिसम्बर, 2005 | |
| 38. | ––उक्त–– | The Concept of Emancipation on Indian Philosophy | The Journal of Religious Studies, G.G.D.R. Studies | 133–137, Vol – xxxiv, no. S. 1 and 2 | 2007 | 0047–273549 |
| 39. | ––उक्त–– | वर्तमान युग में मानव मूल्यों की प्रासंगिकता | मधुमति पत्रिका, राष्ट्रीय साहित्य अकादमी, | 32–35, अंक 07, वर्ष 47 | जुलाई 2007 | 10421/60 |
| 40. | ––उक्त–– | जम्भवाणी में मानव मूल्यों की अवधारणा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | 11–16, अंक वर्ष 58 | 2007 | 2277–7660 |
| 41. | ––उक्त–– | बाल्मीकि रामायण में सूर्य उपासना | वैचारिकी पत्रिका, भारतीय विद्या मंदिर, बीकानेर | 29–34, अंक 04, वर्ष 23 | मार्च, 2008 | 22298/71 |
| 42. | ––उक्त–– | आधुनिक युग और बुद्ध का नीतिशास्त्र | मैत्री टाइम्स पत्रिका, ए–65, सैक्टर–2, रोहिणी | 14–16, अंक 6, वर्ष 2 | जनवरी–फरवरी 2008 | 19352 |
| 43. | ––उक्त–– | बौद्ध दर्शन और वेदांत में अन्तर्निहित समरूपता | गुरूकुल शोध भारती, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 118–128, अंक 09, वर्ष 32 | मार्च 2008 | |
| 44. | ––उक्त–– | प्रकृति संरक्षण में गुरू जम्भेश्वर जी का योगदान | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 11.15 | 2009 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 45. | ––उक्त– | वैदिक ज्ञान और विज्ञान | आदिज्ञान पत्रिका, 704ए फॅलवर 46णबिल्डिंग, 7वा माला, क्वीन्स पार्क, मीरा भायांर रोड़, भायदंर (पूर्व), मुम्बई, | 25.30 | January -March 2009 | |
| 46. | ––उक्त– | गुरू जम्भेश्वर की दार्शनिक मान्यताएं | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 10.11 | March, 2009 | |
| 47. | ––उक्त– | भक्ति आन्दोलन और गुरू जम्भेश्वर का योगदान | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 2.8 | April, 2009 | |
| 48. | ––उक्त– | जम्भवाणी में सदगुरू की व्याख्या | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 2.10 | July, 2009 | |
| 49. | ––उक्त– | जम्भवाणी में साधना का स्वरूप | विश्वम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्वभारती, अनुसंधान परिषद, बीकानेर | 42.48ए अंक 2, वर्ष 39 | April-June, 2009 | |
| 50. | –––उक्त– | गुरू जम्भेश्वर महाराज का आचार दर्शन | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | 02–07, अंक 62 वर्ष 61 | फरवरी 2010 | |
| 51. | –––उक्त– | नैतिक पर्यावरण का आधार उन्नत्तीस धर्म–नियम | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | पृ0 2–4 अंक 6, वर्ष 64 | July-August, 2010 | 2277–7660 |
| 52. | ––उक्त–– | धर्म और पर्यावरण का अप्रतिम सांमजस्य | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | 4–8 | September-Octobe r, 2010 | 2277–7660 |
| 53. | ––उक्त–– | धर्म मार्ग की शिक्षा और उसका आचरण | मानस चंदन पत्रिका त्रैमासिकी, सारस्वत सदन, सिविल लाइन्स, सीतापुर, उतर प्रदेश | 7–10, अंक 61, वर्ष–16 | अक्तुबर–दिसम्बर, 2010 | 2277–7660 |
| 54. | ––उक्त–– | भारत की अर्वाचीन परम्परा | सत्संग साधना, श्रीकृष्ण भक्तिधाम, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश | 27–29, अंक4, वर्ष 8 | 2010 | 47679/87 |
| 55. | –उक्त–– | ऋग्वेद की दार्शनिक मान्यताएं | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर | 31–35 अंक 58–10, वर्ष–58 | January, 2010 | U.P.HIN/200 45 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 56. | ––उक्त–– | वर्तमान युग में स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रांसगिकता | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 137–140, अंक 2, वर्ष 62 | May-August, 2010 | 05057523 |
| 57. | ––उक्त–– | प्राचीन भारतीय संस्कृति | सत्संग साधना, श्रीकृष्ण भक्तिधाम, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश | 20–25 | April-May, 2010 | 05057523 |
| 58. | ––उक्त–– | धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन | अम्बेडकर दर्शन, बौद्ध धर्म विशेषांक, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर | 78–81, अंक 1, वर्ष 1 | April-May, 2010 | |
| 59. | ––उक्त–– | आधुनिक युग और बौद्ध धर्म की शिक्षा | आदिज्ञान पत्रिका, 704ए फॅलवर बिल्डिंग, 7वा माला, क्वीन्स पार्क, मीरा भायांर रोड़, भायदंर (पूर्व), मुम्बई | 31–35 संयुक्तांक 3–4 वर्ष–10 | जनवरी–जून, 2011 | |
| 60. | ––उक्त–– | जल प्रबंधन – अतीत और वर्तमान | जयराम संदेश पत्रिका, भीमगोड़ा हरिद्वार | 85–87, अंक–01 वर्ष–3 | जनवरी–जून, 2011 | |
| 61. | ––उक्त–– | पर्यावरण का धार्मिक विश्लेषण | पर्यावरण संजीवनी (पर्यावरण भवन), धिकाड़ा रोड़, चरखी दादरी, हरियाणा | 3–6 अंक 1 वर्ष–14 | 2011 | |
| 62. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर द्वारा सांस्कृतिक प्रदूषण का निवारणण | पर्यावरण संजीवनी (पर्यावरण भवन), धिकाड़ा रोड़, चरखी दादरी, हरियाणा | 24–27 अंक 19 वर्ष–15 | 2011 | 0975/8739 |
| 63. | ––उक्त–– | धर्म और पर्यावरण | गुरूकुल पत्रिका, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 144–150, अंक , वर्ष 64 | July-September, 2012 | 0974-911X |
| 64. | ––उक्त–– | वेदों में प्रकृति संरक्षण की प्रासंगिकता | वैदिक वाड.गज्योति, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 100–105, वर्ष 1 | July-December, 2012 | 0974-911X |
| 65. | ––उक्त–– | उपनिषदों की दार्शनिक मान्यताएं | वैचारिकी पत्रिका, भरतीय विद्या प्रतिष्ठान मंदिर, शोध बीकानेर, राजस्थान | 25–28 अंक 6 वर्ष 63 | May-June, 2012 | 227743/51 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 66. | ––उक्त–– | मीमांसा दर्शन | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक 67ण्शोध संस्थान, साध्68णु आश्रम, होशिया69ण्रपुर | 15–23<br>अंक 10, वर्ष–60,10 | January , 2012 | 09756531 |
| 67. | ––उक्त–– | धर्म में नैतिकता का आधार | संभराथल धारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका,, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्था | वर्ष 1, अंक 1 | January , 2012 | 2277-7660 |
| 68. | ––उक्त–– | समाज पर धर्म और संस्कृति का विश्लेषण | संस्कृति शोध पत्रिका, अर्द्धवार्षिक, प्रो. दीनबन्धु पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, काषी हिन्दू विश्वविद्यालय, कला, इतिहास एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग | अंक 12, पृ0 93–96<br>वर्ष 12 | जुलाई, 2013 | 05057523 |
| 69. | ––उक्त–– | जाम्भाणी और भारतीय धर्मों में ईश्वर प्रत्यय की परम्परा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | अंक 8–9, पृ0 18–21, वर्ष–64 | अगस्त–िसतम्बर, 2013 | 0974-8911 |
| 70. | ––उक्त–– | उपनिषद दर्शन का स्वरूप | आदिज्ञान पत्रिका, 704ए फॅलवर बिल्डिंग, 7वा माला, क्वीन्स पार्क, मीरा भायांर रोड़, भायदंर (पूर्व), मुम्बई, | 14–16<br>अक 1 व 2<br>वर्ष 14 | 2013 | 0505-7523 |
| 71. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर के नैतिक नियम | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब | अंक 63,<br>पृ0 3–4 | जून–जूलाई 2014 | MAHHIN/2002-7684 |
| 72. | ––उक्त–– | विश्व के प्रथम पर्यावरणविद् गुरू जम्भेश्वर | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब | अंक 63–6<br>वर्ष 6,<br>पृ0 3–4 | सितम्बर, 2014 | 1/57 |
| 73. | ––उक्त–– | जाम्भाणी की सामाजिक प्रासंगिकता | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर,हिसार | 16–18, अंक 8–9, वर्ष 65 | सितम्बर, 2014 | 1/57 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 74. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर जी का लोक जीवन संदेश | सम्भराथल धारा पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान, हिसार | प्रवेशांक वर्ष–2 पृ0 54, | नवम्बर, 2014 | 05057523 |
| 75. | ––उक्त–– | आधुनिक युग और बुद्ध का नीतिविज्ञान | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब | पृ0 9–12 | दिसम्बर 2014 | 2277&7660 |
| 76. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर : व्यक्तित्व विश्लेषण | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | अंक–11 वर्ष–65 | नवम्बर, 2014 | 55 / 57 |
| 77. | ––उक्त–– | पर्यावरण का पर्यायः खेजडली खड़ाणा | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब | अंक–10 वर्ष–62 | नवम्बर, 2014 | 1/57 |
| 78. | ––उक्त–– | पर्यावरण संरक्षणः गुरू जाम्भो जी का दृष्टिकोण | विश्वज्योति पत्रिका, विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब | अंक 62–1 | सितम्बर, 2014 | 1/57 |
| 79. | ––उक्त–– | Guru Jambheshwar Ji First Environment of World | सम्भराथल धारा पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान, हिसार (हरियाणा) | प्रवेशांक वर्ष–2 पृ0 97 | नवम्बर, 2014 | 1/57 |
| 80. | ––उक्त–– | धर्म मार्ग की शिक्षाएं और उसका प्रभाव | जयराम संदेश पत्रिका, भीम गौडा, हरिद्वार, | अंक 01, वर्ष–1 | जून, 2014 | 1/57 |
| 81. | ––उक्त–– | जम्भवाणी में विष्णु नाम की महत्ता | संभराथल धारा, तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | 76, प्रवेशांक वर्ष 3, | अगस्त, 2015 | R.N.I. No. 22298/71 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 82. | ––उक्त–– | शंकराचार्य का अद्वैत वेदान्त | संभराथल धारा, तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी 83ण्महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | 76, प्रवेशांक वर्ष 3, | अगस्त, 2015 | 05057523 |
| 83. | ––उक्त–– | निम्बार्क – द्वैताद्वत दर्शन का स्वरूप | संभराथल धारा, तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | 76, प्रवेशांक वर्ष 3, | अगस्त, 2015 | 2395-776X |
| 84. | ––उक्त–– | भास्कर का भेदोभेद दर्शन का स्वरूप | संभराथल धारा, तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | 76, प्रवेशांक वर्ष 3, | अगस्त, 2015 | 2395-776X |
| 85. | ––उक्त–– | वल्लभाचार्य का शुद्धाद्वैत दर्शन का स्वरूप | संभराथल धारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका,, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | 76, प्रवेशांक वर्ष 3, | अगस्त, 2015 | 2395-776X |
| 86. | ––उक्त–– | वेदों में प्रकृति संरक्षण की प्रासंगिकता | वैदिक वाड.गज्योति, गुरू कांगड़ी विश्व विद्यालय, हरिद्वार | 98–104, 2,3,4,5 अंक 20–14 | जनवरी, जुलाई, 2015 | 2395-776X |
| 87. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर का नैतिक दर्शन | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 6–10, अंक 2, वर्ष 66 | 2015 | 2395-776X |
| 88. | ––उक्त–– | जम्भवाणी में अवतारवादी धारणा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 23–26, अंक 8–9, वर्ष 66 | मार्च–सित म्बर, 2015 | 22774351 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 89. | ––उक्त–– | रामचरित मानस में भक्ति निरूपण | जयराम संदेश पत्रिका, अर्द्धवार्षिक, जयराम विद्यापीठ, श्री जयराम आश्रम भीमगोड़ा, हरिद्वार | अंक 2, पृ0 46–49 वर्ष 3 | दिसम्बर, 2015 | 2277-7660 |
| 90. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर भगवान की दिव्य चेतना | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | 08–10, अंक 1, वर्ष 66 | नवम्बर, 2015 | 09758739 |
| 91. | ––उक्त–– | न्याय दर्शनः एक दार्शनिक अवधारणा | संभराथल धारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका,, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | अंक 4, संख्या 1, | जनवरी–मार्च, 2016 | 2347-890X |
| 92. | ––उक्त–– | गुरू जम्भेश्वर का नैतिक दर्शन | संभराथल धारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका,, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | अंक 4, संख्या 1, | जनवरी–मार्च, 2016 | 2277-7660 |
| 93. | ––उक्त–– | वैशेषिक दर्शन की प्रमुख मान्यताएं | संभराथल धारा तुलनात्मक धर्म–दर्शन की त्रैमासिकी शोध पत्रिका,, गुरू जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान | अंक 4, संख्या 1, | जनवरी–मार्च, 2016 | 2395-776X |
| 94. | –उक्त– | गुरू जम्भेश्वर की सामाजिक पर्यावरणीय अवधारणा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | पृ0 , अंक 1, वर्ष 67 | जनवरी, 2016 | 2395-776X |
| 95. | –उक्त– | गीता दर्शन का स्वरूप | अर्पणा | पृ0 , अंक 1, वर्ष 67 | | 30710177 |
| 96. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर की दृष्टि में माया की अवधारणा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | अंक 10, वर्ष 55 | अक्तूबर | 2277-7660 |
| 97. | –उक्त– | जम्भवाणी में आध्यात्मिक साधना का स्वरुप | विशम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्व भारती , अनुसंधान परिषद्, बीकानेर | अंक 04, वर्ष 36 | अक्तूबर–दिसम्बर 2004 | RNI 1025/61 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 98. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर के कर्मयोग सिद़ान्त का आंकलन | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | वर्ष 56 | जून 2005 | ISSN 22777660 |
| 99. | –उक्त– | बिश्नोई समाज का धर्म वृक्ष–खेजडी | जम्भज्योति पत्रिका, बिश्नोई धर्मशाला रातानाड़ा,जोधपुर | अंक 01, वर्ष 14 | सितम्बर 2005 | RNI |
| 100. | –उक्त– | जम्भवाणीः एक विवेचन | विश्वज्योति पत्रिका,विश्वेगानन्द वैदिक शोध सस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर | अंक 12,वर्ष 53 | मार्च 2005 | ISSN-0505-7523 |
| 101. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर स्वयं स्वयंभू है | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | अंक 12,वर्ष 56 | दिसम्बर 2005 | ISSN-2277-760 |
| 102. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर : एक व्यक्तित्व विश्लेषण | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | अंक 2 वर्ष 57 | फरवरी 2006 | ISSN-2277-760 |
| 103. | –उक्त– | वर्तमान युग में गुरु जम्भेश्वर की प्रांसगिकता | जम्भज्योति पत्रिका, बिश्नोई धर्मशाला रातानाड़ा,जोधपुर | अंक 07 वर्ष 14 | मार्च 2006 | ISSN-2277-760 |
| 104. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर की वाणी में आध्यात्मिक मूल्य | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | वर्ष 57 | अप्रैल 2006 | ISSN-2277-760 |
| 105. | –उक्त– | उच्च शिक्षा में धर्म और संस्कार | विशम्भरा पत्रिका, हिन्दी विश्व भारती , अनुसंधान परिषद्, बीकानेर | अंक 03 वर्ष 38 | जुलाई सितम्बर 2006 | RNI-1025/61 |
| 106. | –उक्त– | जाम्भोलाव : अनादि तीर्थ शिरोमणि | जम्भज्योति पत्रिका, बिश्नोई धर्मशाला रातानाड़ा,जोधपुर | अंक 12 वर्ष 14 | अगस्त 2006 | ISSN-2277-760 |
| 107. | –उक्त– | आधुनिक युग और गुरु जम्भेश्वर के उपदेश | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | वर्ष 57 | दिसम्बर 2006 | ISSN-2277-760 |
| 108. | –उक्त– | रामचरित मानस की संस्कृति में प्रकृति की दृष्टि | साहित्यावलोकन सृजन एवं शोध पत्रिका, हंसराज महिला महाविद्यालय, महात्मा हंसराज मार्ग, जालंधर | अंक 02 वर्ष 02 | 2006 | ISSN-8620-6678 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 109. | –उक्त– | पवित्र अनुष्ठान | जम्भादेश, 1 च 6, मधुबन नगर, जोधपुर–342005 | अंक 09 वर्ष 20 | जुलाई 2007 | RNI-74289-87 |
| 110. | –उक्त– | वेदों में प्रकृति संरक्षण की प्रांसगिकता | वेदवाणी, वेदवाणी कार्यालय, रेवली, सोनीपत– हरियाणा | अंक 09 वर्ष 60 | जुलाई 2007 | |
| 111. | –उक्त– | जम्भवाणी में सद्गुरु की व्याख्या | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | वर्ष 58 | जुलाई 2007 | |
| 112. | –उक्त– | अश्वप्राण– निरुपण | वेदवाणी, वेदवाणी कार्यालय, रेवली, सोनीपत– हरियाणा | अंक 11 वर्ष 51 | सितम्बर 2007 | |
| 113. | –उक्त– | स्वामी दयानंद सरस्वतीः व्यक्तित्व एवं कृतित्तव | विश्वज्योति पत्रिका,विश्वेगानन्द वैदिक शोध सस्थान, साधु आश्रम, होश्यिारपुर | अंक 06 वर्ष 56 | सितम्बर 2007 | |
| 114. | –उक्त– | जम्भवाणी में एकात्मभाव की अवधारणा | अमर ज्योति पत्रिका, बिश्नोई मंदिर, हिसार | वर्ष 58 | नवम्बर 2007 | |
| 115. | –उक्त– | गुरु जम्भेश्वर जी के नैतिक नियम | जम्भादेश, 1 च 6, मधुबन नगर, जोधपुर–342005 | अंक 02 वर्ष 21 | दिसम्बर 2007 | |
| 116. | –उक्त– | धर्मो का तुल्नात्मक अध्ययन व महत्व | अम्बेडकर दर्शन | 70–80 | अप्रैल, मई 2010 | |
| 117. | –उक्त– | भौतिक पर्यावरण का आधार व 29 धर्मनियम | अमर ज्योति | 2–10 | जुलाई , अगस्त 2010 | |
| 118. | –उक्त– | Universal human values and hindu religion | Adhyan almustafa university ,iran (New delhi) | | | |
| 119. | –उक्त– | जम्भ्वाणी का संत साहित्य के संदर्भ में भाव विवेचन | अमर ज्योति | अंक 60 पृ0 5 | मई 2012 | |
| 120. | –उक्त– | बेबिलोन सभ्यता का धर्म दर्शन | विश्वज्योति पत्रिका,विश्वेगानन्द वैदिक शोध सस्थान, साधु आश्रम, होश्यिारपुर | अंक 85 पृ0 20 | जुलाई 2012 | |
| 121. | –उक्त– | शिक्षा में धर्म संस्कार और मानस नंदन | आदिज्ञान पत्रिका | अंक 07 | अगस्त 2012 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 122. | –उक्त– | मनुस्मृति में नारी वादी भावना | विश्वज्योति पत्रिका | अंक 86 पृ0 15 | अगस्त 2012 | |
| 123. | –उक्त– | संत संस्कृति और जम्भवाणी | गुरुकुल पत्रिका, गुरु कुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार | अंक 08 पृ0 33 | नवम्बर 2012 | |
| 124. | –उक्त– | गीता में यज्ञ ज्ञान की सार्थकता | | 61–62 | जून 2016 | |
| 125. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | गीता में लोकमंगल और अवधारणा | International journal of literrary studies | 69–70 | जून 2016 | ISSN-2231-4652 |
| 126. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | जम्भवाणी साधना का स्वयप | विश्वज्योति पत्रिका | 10–14 | अगस्त 2016 | ISSN-0505-7523 |
| 127. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | BUDHISM AND ITS ROLE IN ENVIORMENT PRESENTION | समराथल धारा | 103–106 | जनवरी, मार्च 2016 | ISSN-2395-776X |
| 128. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | न्यायदर्शन एक दार्शनिक अवधारणा | समराथल धारा | 23–29 | जनवरी, मार्च 2016 | ISSN-2395-776X |
| 129. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | गुरु जम्भेश्वर का नैतिक दर्शन | समराथल धारा | 74–83 | जनवरी, मार्च 2016 | ISSN-2395-776X |
| 130. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | वैशेषिक दर्शन की प्रमुख मान्यताएं | समराथल धारा | 84–88 | जनवरी, मार्च 2016 | ISSN-2395-776X |
| 131. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | वल्लभाचार्य का शुद्धादैत दर्शन का स्वरुप | समराथल धारा | 63–68 | अगस्त 2015 | ISSN-2395-776X |
| 132. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | बौद्ध दर्शन और वेदांत में अन्तर्निहित समरुपता | विश्वज्योति पत्रिका | 3–12 | जनवरी, 2014 | ISSN-0505-7523 |
| 133. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | आधुनिक युग और बुद्ध का नीति नियम | विश्वज्योति पत्रिका | 9–12 | दिसम्बर 2014 | ISSN-0505-7523 |
| 134. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | गुरु जम्भेश्वर का व्यक्तित्व विश्लेषण | अमर ज्योति | 11–14 | नवम्बर 2014 | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 135. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | विश्व के प्रथम पर्यावरण विद् गुरु जम्भेश्वर | विश्वज्योति पत्रिका | 136–17 | सितम्बर 2014 | ISSN-0505-7523 |
| 136. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई डॉ. किशनाराम बिश्नोई | धर्ममार्ग की शिक्षा और उसका आचरण | जयराम संदेश | 50–52 | जून 2013 | ISSN-0975-8739 |
| 137. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | उपनिषद् दर्शन का स्वरुप | आदिज्ञान | 14–16 | जुलाई, दिसम्बर 2013 | RNINMAHHIN-202/768/4 |
| 138. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | समाज और धर्म और संस्कृति के प्रभाव का विश्लेषण | संस्कृति शोध पत्रिका | 9–96 | 2013 | ISSN-0974-8911 |
| 139. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य में श्रीमद्भगवद्गीता एवं जम्भवाणी | समराथल धारा | 06–08 | अप्रैल, जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 140. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | हरियाणवी लोकगीतों में धर्म और संस्कार | समराथल धारा | 14–20 | जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 141. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | आधुनिक युग में उपनिषदों की प्रासंगिकता | समराथल धारा | 21–24 | जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 142. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | प्राचीन भारत में महिलाओं की सामाजिक स्थिति | समराथल धारा | 30–33 | जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 143. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | हरियाणवी सूफी काव्य के ज्योति स्तम्भ है। सैययद् गुलाम हुसैन 'महमी' | समराथल धारा | 34–40 | अप्रैल, जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 144. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | अर्थवेद– भूमि सूक्त की काव्यात्मकता | समराथल धारा | 45–47 | अप्रैल, जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 145. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | हरियाणा में रचित सूफी काव्य परम्परा | समराथल धारा | 48–54 | अप्रैल, जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 146. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | हरियाणा का संत– साहित्य – एक पुर्नवालोकन | समराथल धारा | 55–61 | अप्रैल, जून 2017 | ISSN-2395-776X |
| 147. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | MORNING SCHOOL ASEMBLY PUPILS SPIRITUAL AND ETHICAL DEVOLPMENT | SMARTHAL DAHRA | 62–64 | | ISSN-2395-776X |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 148. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | IMPACT OF SPRITUAL PRACTICE ON MENTAL AND PHYSICAL HEALTH CONCEPTUAL PAPER | SMARTHAL DAHRA | 65–68 | | ISSN-2395-776X |
| 149. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | गुरु जम्भेश्वर द्वारा प्रतिपादित बिश्नोई धर्म और महावीर द्वारा प्रतिपादित जैन धर्म में अहिंसा का स्थान | समराथल धारा | 55–61 | जुलाई, दिसम्बर 2016 | ISSN-2395-776X |
| 150. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | कबीर वाणी का आध्यात्मिक चिंतन | समराथल धारा | 06–11 | जुलाई, दिसम्बर 2016 | ISSN-2395-776X |
| 151. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | सांख्य दर्शन | समराथल धारा | 30–33 | जुलाई, दिसम्बर 2016 | ISSN-2395-776X |
| 152. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | पर्यावरण की समस्या तथा वेदोंक्त समाधान | समराथल धारा | 34–38 | जुलाई, दिसम्बर 2016 | ISSN-2395-776X |
| 153. | डॉ. किशनाराम बिश्नोई | चार्वाक दर्शन | समराथल धारा | 44–46 | जुलाई, दिसम्बर 2016 | ISSN-2395-776X |